भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2270

12 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष चिकित्सकों के लिए कौशल उन्नयन कार्यक्रम

2270. श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में आयुष चिकित्सकों के लिए कौशल उन्नयन कार्यक्रम लागू कर रही है;

(ख) यदि हां, तो अब तक असम के पहाड़ी जिलों के कितने प्रशिक्षु इसके तहत प्रशिक्षित किए गए हैं; और

(ग) विशेष रूप से उक्त क्षेत्र में पारंपरिक हर्बल चिकित्सा का अभ्यास करने वाले पारंपरिक चिकित्सकों को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) केंद्रीय क्षेत्रीय योजना अर्थात् आयुर्विज्ञान का एक घटक है जिसे 2021-22 से कार्यान्वित किया गया है। सीएमई घटक का समग्र उद्देश्य आयुष कर्मियों को आवश्यकता-आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने और ज्ञान के अंतर को पाटने के लिए प्रोत्साहित करना है। केंद्रीय क्षेत्रीय योजना होने के कारण, प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए देश भर में पात्र संगठन (देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित) को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और यह योजना क्षेत्र विशिष्ट नहीं है।

आयुर्विज्ञान योजना के तहत, अनुदेयी संगठन देश भर से प्रतिभागियों को आमंत्रित करते हैं। इस योजना के तहत, कुल 08 प्रशिक्षण कार्यक्रम (अर्थात असम में 2 और मेघालय में 6) आयुष कर्मियों के लिए आयोजित किए गए हैं।

आयुष मंत्रालय के तहत भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएम एंड एच), गाजियाबाद, राज्य औषध नियामकों/प्रवर्तन प्राधिकरणों, आयुष मान्यता प्राप्त राज्य/संघ राज्य क्षेत्र औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं, एएसयू एंड एच औषधियों से संबंधित गुणवत्ता नियंत्रण/तकनीकी कर्मियों आदि के लिए आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयू एंड एच) औषधियों के मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण पर समय-समय पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण (सीबीटी) कार्यक्रम आयोजित करता है। पिछले तीन वर्षों में, आयोग ने 11 सीबीटी कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिसमें चार प्रतिभागियों ने असम राज्य से भाग लिया है।

पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान (एनईआईएएच), शिलांग पड़ोसी राज्यों से चिकित्सा अधिकारियों (आयुर्वेद) के लिए पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण आयोजित करता है। एनईआईएएच समय-

समय पर आयुर्वेद और होम्योपैथी शिक्षकों के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, गुवाहाटी, असम में अनुसंधान शोधार्थियों और संकाय के लिए आयुर्वेद अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी कार्यक्रम पर प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिसमें 140 शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया था।

पूर्वोत्तर आयुर्वेद और लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनईआईएएफएमआर), पासीघाट, आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान, ने 08 पूर्वोत्तर राज्यों के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों के लिए मर्म चिकित्सा पर पुन: अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें असम के एक प्रतिभागी ने भाग लिया।

(ग): एनईआईएएफएमआर ने पारंपरिक सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए स्वैच्छिक प्रमाणन योजना (वीसीएसटीसीएचसीपी) के अंतर्गत, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) द्वारा आयोजित तृतीय पक्ष प्रमाणन कार्यक्रम और स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं के पुनरुद्धार के लिए फाउंडेशन (एफआरएलएचटी) के तहत, पारंपरिक चिकित्सकों का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए 38 पारंपरिक चिकित्सकों (अर्थात असम-3, अरुणाचल प्रदेश-4, मेघालय-10, नागालैंड-21) को अपना समर्थन दिया है।

*****